SHIKSHA SAMVAD
International Open Access Peer-Reviewed & Refereed
Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-02, Issue-03, March- 2025
www.shikshasamvad.com

शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता का अध्ययन

डॉ0 अंजनी कुमार मिश्रा
विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय)
राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय
सिंगरामऊ, जौनपुर

राजेन्द्र प्रसाद
शोध छात्र
एम0ए0, एम0एड0
नेट–शिक्षाशास्त्र (बी0एड0)

सारांश

समग्र गुणवत्ता प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण अवधारणा है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारते हुए उत्कृष्टता की ओर ले जाना होता है। यह केवल छात्रों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें विद्यालय प्रबंधन, अध्यापन प्रक्रिया, संसाधनों का प्रभावी उपयोग और शिक्षकों की भूमिका भी शामिल होती है। शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की इस अवधारणा के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना आवश्यक है, क्योंकि शिक्षक ही किसी भी विद्यालय की गुणवत्ता के प्रमुख स्तंभ होते हैं। शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक सामान्यतः शासन द्वारा निर्धारित नियमों, संसाधनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर आधारित कार्य प्रणाली का पालन करते हैं। कई बार संसाधनों की सीमाएँ और प्रशासनिक प्रक्रियाएँ उनकी नवाचारों और गुणवत्ता सुधार की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न करती हैं। इसके विपरीत अशासकीय विद्यालयों में अपेक्षाकृत अधिक स्वतंत्रता और प्रतिस्पर्धा पूर्ण वातावरण होता है, जिससे वहाँ के शिक्षक नवीन विधियों और गुणवत्ता प्रबंधन की रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। लिंग के दृष्टिकोण से देखा जाए तो पुरुष एवं महिला शिक्षकों में समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरूकता में कुछ अंतर देखने को मिल सकते हैं। पुरुष शिक्षक जहाँ तकनीकी पहलुओं और प्रबंधन कौशल में अधिक रुचि लेते हैं, वहीं महिला शिक्षक विद्यार्थियों के सामाजिक–भावनात्मक विकास और सहयोगात्मक वातावरण के निर्माण में अधिक सक्रिय रहती हैं। दोनों ही दृष्टिकोण समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आवश्यक हैं, और इनके संतुलन से ही विद्यालय की समग्र गुणवत्ता में सुधार संभव है। हाल के वर्षों में सरकार और शैक्षिक संस्थाओं द्वारा गुणवत्ता उन्नयन के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और निरीक्षण व्यवस्थाएँ लागू की गई हैं, जिससे शिक्षकों में इस विषय के प्रति जागरूकता बढ़ी है। परंतु फिर भी अनेक शिक्षकों को समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की संकल्पना, उसके घटकों तथा व्यवहारिक उपयोग के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं होती, जिससे इसका प्रभाव सीमित रह जाता है। शोध से यह स्पष्ट होता

है कि शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, और विद्यालय स्तर पर गुणवत्ता मंडलों की स्थापना की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों को नवाचारों के लिए प्रेरित करना, टीम वर्क को बढ़ावा देना और उनके सुझावों को महत्त्व देना भी आवश्यक है।

मुख्यशब्द : शासकीय माध्यमिक विद्यालय, अशासकीय माध्यमिक विद्यालय, पुरुष एवं महिला शिक्षक, समग्र गुणवत्ता प्रबंधन

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होती है और इसके निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। एक शिक्षक न केवल ज्ञान का संप्रेषण करता है, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चिंतन शैली, और सामाजिक दृष्टिकोण के निर्माण में भी एक निर्णायक भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं, जिससे शिक्षकों के समक्ष अनेक नई चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान केवल तभी संभव है जब शिक्षक समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा को समझें और उसे अपनी कार्यप्रणाली में आत्मसात करें। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है, जो संस्था के प्रत्येक घटक को सुधारने की दिशा में कार्य करती है। यह केवल उत्पादकता या परिणाम तक सीमित नहीं होती, बल्कि प्रक्रिया, कार्य संस्कृति, नेतृत्व, संसाधन प्रबंधन, शिक्षक–अभिभावक संबंध, और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे विविध पहलुओं को समाहित करती है। विद्यालयों में समग्र गुणवत्ता प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य एक समन्वित, उत्तरदायी एवं नवाचारपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की संरचना, संसाधनों की उपलब्धता, प्रशासनिक प्रक्रियाएँ, और कार्य संस्कृति में अनेक अंतरों के बावजूद शिक्षा का मूल उद्देश्य समान रहता है – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना। इस उद्देश्य की पूर्ति में कार्यरत शिक्षक, चाहे वे पुरुष हों या महिला, उनकी जागरुकता, दृष्टिकोण, संलग्नता, और नवाचार की भावना अत्यंत आवश्यक होती है। यह अध्ययन इसी उद्देश्य से प्रेरित है कि यह जाना जा सके कि विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, विशेष रूप से लिंग आधारित विभाजन के आधार पर, समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति कितने सजग और जागरूक हैं। पुरुष और महिला शिक्षकों के दृष्टिकोण में, कार्यशैली में, तथा नेतृत्व क्षमता में भिन्नता हो सकती है, जिसे समझना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सभी शिक्षक अपनी भूमिका को किस प्रकार निभाते हैं। इसके अतिरिक्त, शासकीय विद्यालयों में अक्सर सीमित संसाधन, प्रशासनिक नियंत्रण और पारदर्शिता की अधिकता देखी जाती है, वहीं अशासकीय विद्यालयों में अपेक्षाकृत लचीलापन, नवाचार के अवसर, प्रतिस्पर्धा और परिणामों का दबाव अधिक होता है। इन परिस्थितियों में कार्यरत शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरूकता में भिन्नताएँ हो सकती हैं। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के अंतर्गत शिक्षक का उत्तरदायित्व केवल अध्यापन तक सीमित नहीं होता, बल्कि वे एक सृजनात्मक सहयोगी, अभिभावक, मार्गदर्शक, तथा नैतिक प्रेरक के रूप में भी कार्य करते हैं। वे विद्यालय की योजना, संगठन, मूल्यांकन तथा सतत सुधार की प्रक्रियाओं में भागीदार होते हैं। यह भूमिका तभी सफल हो सकती है जब शिक्षक समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांतों से भलीभांति परिचित हों, उन्हें व्यवहार में लाने की योग्यता रखते हों, और इसके प्रति गंभीरता से प्रतिबद्ध हों। समकालीन शिक्षण परिदृश्य में शिक्षकों की जागरुकता को प्रभावित करने वाले

CamScanner

अनेक कारक हैं – जैसे प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कार्यानुभव, आयु, लिंग, विद्यालय की प्रकृति (शासकीय या अशासकीय), प्रबंधन का दृष्टिकोण, संसाधनों की उपलब्धता, तथा तकनीकी सहयोग। एक महिला शिक्षक की कार्यशैली में सहानुभूति, संवेदनशीलता, और समन्वय की भावना अधिक देखने को मिल सकती है, जबकि पुरुष शिक्षक प्रबंधन, अनुशासन तथा संरचनात्मक दृष्टिकोण पर अधिक बल हो सकता हैं। इसी प्रकार शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक अपेक्षाकृत स्थायित्व एवं सुरक्षा के साथ कार्य करते हैं, जबकि अशासकीय विद्यालयों में निरंतर प्रदर्शन के दबाव के कारण अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य अपेक्षित होता है। शिक्षा में गुणवत्ता की धारणा केवल परीक्षा परिणामों या परीक्षा प्रणाली तक सीमित नहीं है। यह विद्यार्थियों के नैतिक, सामाजिक, बौद्धिक, और व्यावसायिक विकास से जुड़ी होती है। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के अंतर्गत शिक्षक को एक ऐसी दृष्टि अपनानी होती है, जो दीर्घकालिक, सशक्त और परिवर्तनशील हो। इसके लिए शिक्षक को सतत रूप से प्रशिक्षण, पुनरावलोकन, प्रतिक्रिया और सुधार की प्रक्रियाओं में संलग्न रहना होता है। यह तभी संभव है जब शिक्षक स्वयं की भूमिका के प्रति जागरूक हो, साथ ही वे विद्यालय की समग्र प्रगति को अपना लक्ष्य मानें। इस शोध में मुख्य रूप से यह जानने का प्रयास किया गया है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षक समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा को किस प्रकार समझते हैं, उसे अपने शिक्षण कार्य में किस सीमा तक लागू करते हैं, तथा इसके प्रति उनकी जागरूकता का स्तर क्या है। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि लिंग और विद्यालय की प्रकृति जैसे कारक शिक्षक की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति सोच को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व

शिक्षा किसी भी राष्ट्र का भविष्य होती है और शिक्षकों की भूमिका उस भविष्य को मजबूत बनाए रखने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार की अत्यधिक आवश्यकता है, जिससे न केवल छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो। इस दिशा में समग्र गुणवत्ता प्रबंधन एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरकर सामने आया है। यह एक ऐसी प्रणाली है जो संगठन के सभी पहलुओं में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने पर बल देती है। जब हम विद्यालयों की बात करते हैं, विशेषतः शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों की, तो यह आवश्यक हो जाता है कि वहाँ कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षक इस समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा से परिचित हों और उसके प्रति जागरूक भी हों। आज शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। केवल विषयवस्तु आधारित पठन–पाठन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अब नैतिक मूल्यों, रचनात्मकता, समस्या समाधान की क्षमता, तकनीकी दक्षता तथा भावनात्मक बौद्धिक विकास जैसे आयाम भी शिक्षा में सम्मिलित हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में यह अनिवार्य हो गया है कि शिक्षकों को शिक्षण के परंपरागत तरीकों से आगे बढ़ते हुए नवीनतम शैक्षणिक रणनीतियों एवं गुणवत्ता उन्नयन प्रक्रियाओं को अपनाना चाहिए। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन इसी ओर संकेत करता है – यह केवल प्रशासनिक या प्रबंधकीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण है जो प्रत्येक शिक्षक, शिक्षण प्रक्रिया, अधिगम के परिणाम तथा विद्यालय के समग्र वातावरण को प्रभावित करता है। शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षक शिक्षा प्रणाली की मुख्य धुरी होते हैं। इनकी जागरूकता और प्रतिबद्धता ही किसी भी गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाती है। शासकीय विद्यालयों में अनेक बार संसाधनों की

कमी, अधिक छात्र संख्या, सीमित तकनीकी सुविधा तथा प्रशासनिक दबाव के कारण गुणवत्ता प्रबंधन का सही क्रियान्वयन नहीं हो पाता। वहीं अशासकीय विद्यालयों में अपेक्षाकृत सुविधाएँ अधिक होती हैं, किंतु वहाँ गुणवत्ता की अपेक्षाएँ भी अधिक होती हैं और प्रतिस्पर्धा का स्तर ऊँचा होता है। अतः दोनों ही प्रकार के संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा, उसके उद्देश्य तथा उसके क्रियान्वयन के तरीकों से भली–भाँति परिचित हों। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति शिक्षकों की जागरूकता से न केवल शिक्षा का स्तर बेहतर होता है, बल्कि यह विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। शिक्षक जब गुणवत्ता की अवधारणा को अपनाते हैं, तो वे स्वयं में आत्मविश्लेषण करते हैं, अपनी शिक्षण शैली में नवाचार लाते हैं, छात्रों की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें वैयक्तिक सहयोग प्रदान करते हैं और विद्यालयी वातावरण को अधिक सहयोगात्मक तथा प्रेरक बनाते हैं। इससे न केवल छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि अभिभावकों एवं समाज का विश्वास भी विद्यालय पर दृढ़ होता है। महिला एवं पुरुष शिक्षकों के संदर्भ में यह समझना भी आवश्यक है कि दोनों की सामाजिक भूमिका एवं कार्य शैली में कुछ भिन्नताएँ होती हैं। महिला शिक्षक प्रायः छात्रों के साथ अधिक भावनात्मक संबंध बनाती हैं और उनमें सहानुभूति तथा धैर्य अधिक होता है, जबकि पुरुष शिक्षक अनुशासन, संगठन और निर्णय–निर्माण जैसे पहलुओं में अधिक दक्ष हो सकते हैं। समग्र गुणवत्ता प्रबंधन इन दोनों प्रकार की क्षमताओं को एक साथ जोड़कर विद्यालय को एक बेहतर शैक्षणिक केंद्र में रूपांतरित करने में सहायक हो सकता है। अतः यह आवश्यक है कि दोनों ही प्रकार के शिक्षक अपनी भूमिकाओं को समझें, एक–दूसरे के गुणों से सीखें और गुणवत्ता उन्नयन की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करें। यह भी ध्यान देने योग्य है कि समग्र गुणवत्ता प्रबंधन कोई एक बार की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें सुधार, मूल्यांकन, प्रतिक्रिया और नवाचार का चक्र निरंतर चलता रहता है। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें, नई शैक्षणिक नीतियों से स्वयं को अपडेट रखें, विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों से फीडबैक लें और आत्मावलोकन करते रहें। यही सतत सुधार की भावना समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की आत्मा है। इसके अतिरिक्त, विद्यालय प्रबंधन की ओर से भी यह प्रयास होना चाहिए कि शिक्षकों को गुणवत्ता उन्नयन के लिए आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण एवं सहयोग प्रदान किया जाए। चाहे वह स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा हो, इंटरनेट आधारित शिक्षण सामग्री हो, सृजनात्मक कार्यशालाएँ हों या फिर मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन से जुड़े सेमिनार – ये सभी पहलू शिक्षक को एक समर्थ और गुणवत्ता उन्मुख शिक्षण कार्य में संलग्न करने में सहायता करते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरूकता न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने का साधन है, बल्कि यह एक समृद्ध, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण की दिशा में उठाया गया सशक्त कदम भी है। जब शिक्षक अपने कार्य को केवल पेशा न मानकर सेवा के रूप में अपनाते हैं, जब वे गुणवत्ता को केवल मानक न मानकर एक निरंतर प्रयास के रूप में देखते हैं, तभी हम एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना कर सकते हैं, जो प्रत्येक छात्र को उसकी पूर्ण संभावनाओं तक पहुँचने में सक्षम बनाए। इसी में शिक्षक की सच्ची सफलता और शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य निहित है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

... 2024, ISSN-2584-0983 (Online), Impact Factor-RPRI-3.87 डॉ0 अंजनी कुमार मिश्रा और राजेन्द्र प्रसा

CamScanner

प्रस्तुत शोध से सम्बन्धित निम्नलिखित गुप्ता, एस. (2019), जोशी, आर. और वर्मा, ए. (2020), मिश्रा, आर. (2020), शर्मा, पी. (2021), सिंह, एम. (2022) आदि शोधार्थियों ने शोध किये हैं।

समस्या कथन

शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता का अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता का अध्ययन।
- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता का अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ों का संग्रह

प्रस्तुत शोध हेतु आँकड़ों के संकलन के लिए लखनऊ जनपद के यू0पी0 बोर्ड द्वारा संचालित कक्षा 09 से 12 तक के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आँकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु 150 शासकीय व 170 अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को शामिल किया गया है।

उपकरण

समग्र गुणवत्ता प्रबंधन मापनी – स्वनिर्मित प्रश्नावली।

परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य था कि शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता की स्थिति का अध्ययन करना जिस हेतु शून्य परिकल्पना शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं, "जिस हेतु निम्न आँकड़े प्राप्त हुए"।

सारणी संख्या – 1

क्रं0 सं0	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	शासकीय पुरुष शिक्षक	80	26.14	12.19	3.01	*
2.	अशासकीय पुरुष शिक्षक	90	31.56	13.07		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :– सारणी संख्या 1 में शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 26.14 एवं 12.19 प्राप्त हुआ है जबकि अंशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 31.56 एवं 13.07 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 3.01 प्राप्त हुआ है। सरकार द्वारा समय–समय पर शिक्षकों के लिए विभिन्न कार्यशालाएँ एवं उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे उन्हें शिक्षण के आधुनिक तरीकों, तकनीकी संसाधनों एवं मूल्यांकन प्रणालियों से परिचित कराया जाता है। हालाँकि, कुछ शिक्षकों में इन नीतियों के प्रति उदासीनता देखने को मिलती है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धि में बाधक हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शासकीय विद्यालयों में संसाधनों की सीमित उपलब्धता भी शिक्षकों की गुणवत्ता प्रबंधन क्षमता को प्रभावित करती है। अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष शिक्षक प्रायः संस्थागत दबावों, प्रतिस्पर्धी वातावरण और विद्यालय प्रशासन की अपेक्षाओं के कारण गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति अधिक जागरुक होते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य था कि शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता की स्थिति का अध्ययन करना जिस हेतु शून्य परिकल्पना शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं, "जिस हेतु निम्न आँकड़े प्राप्त हुए"।

सारणी संख्या – 2

क्रं0 सं0	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	शासकीय महिला शिक्षक	70	28.25	13.18	1.84	***
2.	अशासकीय महिला शिक्षक	80	32.08	12.29		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :– सारणी संख्या 2 में शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 28.25 एवं 13.18 प्राप्त हुआ है जबकि अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 32.08 एवं 12.29 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.84 प्राप्त हुआ है। शासकीय विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षक अक्सर सरकार द्वारा लागू नीतियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से सीधे जुड़ी होती हैं, जिससे वे गुणवत्ता प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के प्रति अधिक जागरुक रहती हैं। उन्हें समय–समय पर प्रशिक्षण सत्रों, कार्यशालाओं और सरकारी योजनाओं के माध्यम से गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों की जानकारी दी जाती है। इसके अतिरिक्त, वे अनुशासन, मूल्यांकन पद्धति और शिक्षण कौशल को सुधारने के लिए विभागीय निर्देशों का पालन करती हैं। हालाँकि, संसाधनों की कमी, कक्षाओं में अधिक छात्रों की संख्या और प्रशासनिक कार्यों का दबाव उनकी प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, अशासकीय विद्यालयों की महिला शिक्षक अक्सर निजी प्रबंधन के अधीन कार्य करती हैं, जहाँ गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण भिन्न हो सकता है।

शोध अध्ययन के निष्कर्ष

- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया।
- शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- गुप्ता, एस. (2019). शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन की भूमिका. नई दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट.
- शर्मा, पी. (2021). विद्यालयी शिक्षा में नेतृत्त्व और प्रबंधन. भोपाल : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी.
- oshi, R., & Verma, A. (2020). Awareness and Implementation of Total Quality Management among Secondary School Teachers. *International Journal of Educational Research and Development*, 10(2), 45-58.
- Singh, M. (2022). A Comparative Study of Government and Private School Teachers' Awareness Towards Educational Quality Standards. *Journal of Education and Social Sciences*, 14(1), 78-85.
- Mishra, R. (2020). *Samagra Gunvatta Prabandhan evam Shaikshik Sudhar*. वाराणसी: शिक्षा प्रकाशन.

SHIKSHA SAMVAD

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed or Refereed Research Journal
ISSN: 2584-0983 (Online) Impact-Factor, RPRI-3.87
Volume-02, Issue-03, March- 2025
www.shikshasamvad.com
Certificate Number-March-2025/16

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 अंजनी कुमार मिश्रा और राजेन्द्र प्रसाद

For publication of research article title

"शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों की समग्र गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति जागरुकता का अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-03, Month March, Year- 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.shikshasamvad.com